भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1171** जिसका उत्तर
शुक्रवार, **09 फरवरी**, **2024/ 20** माघ, 1945 (शक) को दिया जाना है

क्रूज सेवाओं का विकास

1171. श्री अरविंद सावंत :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश के विभिन्न पत्तनों में क्रूज सेवाओं के विकास के लिए कार्यवाही शुरू कर दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का देश के पत्तनों के विकास का कोई विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या मुंबई पत्तन के विकास के लिए कोई योजना प्रस्तुत की गई है और सरकार द्वारा और अधिक राजस्व अर्जित करने के लिए मुंबई पत्तन न्यास (एमबीपीटी) के विकास हेतु क्या पहल की गई है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): देश के विभिन्न पत्तनों में क्रूज़ सेवाओं के विकास के लिए सरकार द्वारा की गई कार्रवाई निम्नानुसार है:-

i. बर्थिंग के लिए क्रूज़ जलयान को कार्गो जलयान की अपेक्षा प्राथमिकता दी जाती है;

ii. क्रूज़ प्रशुल्क युक्तियुक्त तरीके से लागू किए गए हैं।

क. बर्थ पर पत्तन प्रभार $ 0.085/ जीआरटी (नियत दर) की दर से तथा पहले 12 घंटों के ठहराव के लिए $ 6 का मामूली प्रति यात्री कर।

ख. क्रूज पोतों को उनके प्रवेश की मात्रा के आधार पर 10% से 30% तक छूट प्रदान की जाती है।

iii. क्रूज़ जलयानों को आकर्षित करने के लिए आउस्टिंग प्रभार हटाना;

iv. ई-वीजा और ऑन-एराइवल वीजा सुविधाओं को विस्तारित कर दिया गया है।

v. एकल ई-लैंडिंग कार्ड लागू किया गया है, जो क्रूज की यात्रा के दौरान सभी पत्तनों पर वैध है।

vi. विदेशी क्रूज जलयानों के लिए कैबोटेज समाप्त कर दिया गया है। यह छूट विदेशी क्रूज पोतों को उनकी घरेलू यात्रा के दौरान भारतीय नागरिकों को एक भारतीय पत्तन से दूसरे भारतीय पत्तन तक ले जाने की अनुमति देती है।

vii. पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए, विदेश जाने वाले विदेशी ध्वज जलयान के तटीय यात्रा परिवर्तन पर आईजीएसटी की सशर्त छूट अनुमोदित की गई है, बशर्ते यह छह महीनों के भीतर विदेश जाने वाले जलयान में पुन: परिवर्तित होता है।

viii. ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट, अक्तूबर, 2023 के दौरान हितधारकों की सहभागिता के साथ 'वर्ष 2047 तक भारत में 50 मिलियन क्रूज यात्रियों को आकर्षित करने के लिए यात्रा की शुरुआत' तथा 'क्रूज लाइनों के साथ राउंडटेबल' पर एक सत्र आयोजित किया गया था।

(ख): 7 महापत्तन नामत: मुंबई (महाराष्ट्र), मुरगांव (गोवा), नव मंगलूर (कर्नाटक), कोचिन (केरल), चैन्ने (तमिलनाडु), विशाखापट्टनम (आंध्र पद्रेश) और श्यामा प्रसाद मुखर्जी (पश्चिम बंगाल) में क्रूज टर्मिनल प्रचालनरत हैं।

(ग): मुंबई पत्तन प्राधिकरण (एमबीपीए) ने 555 करोड़ रु. की अनुमानित लागत सहित सार्वजनिक- निजी-भागीदारी के तहत मुंबई अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल (एमआईसीटी) का विकास शुरू किया है।

*****